इस प्रश्न–पत्र में **24** प्रश्न [खण्ड 'क' (**18**) + खण्ड 'ख' (3) + खण्ड 'ग' (3)] तथा **8** मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं. **63/OSS/1**

SET/सेट A

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

4 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **63/OSS/1,** सेट–**A** लिखें ।

हिन्दी
(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' 15 अंकों का है।

खण्ड – क

1 (क) निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

बैठ लें कुछ देर,
आओ, एक पथ के पथिक से
प्रिय, अंत और अनंत के,
तम–गहन–जीवन घेर ।
मौन मधु हो जाय
भाषा मूकता की आड़ में,
मन सरलता की बाढ़ में
जल–बिंदु–सा बह जाय ।
सरल, अति स्वच्छन्द
जीवन, प्रात के लघु–पात से
उत्थान–पतनाघात से
रह जाए चुप, निर्द्वन्द्व ।

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई । गुरु साहिब अनुकूल अघाई ॥
लखि अपनें सर सबु छरु भारू । कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारू ॥
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज–नयन नेह–जल बाढ़े ॥
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ॥
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ । अपराधिहु पर कोह न काऊ ॥
मो पर कृपा सनेहु बिसेषी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखि ॥
सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ॥
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही । हारेहुँ खेल जितावहिं मोही ॥
महूँ सनेह सकोच बस, सनमुख कही न बैन ।
दरसन तृपित न आजु लगि, पेम पिआसे नैन ॥

(ख) काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **2**

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेहंदी को रंग ॥

2 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **30-35** शब्दों में दीजिए : **2+2=4**

(क) कृष्ण के प्रति मीराँ का प्रेम किस प्रकार का है ?

(ख) 'फाग' पद में गोपिका की आँख से क्या निकल गया और क्या रह गया ?

(ग) 'मुझे कदम–कदम पर' में कविताएँ मुस्कराकर प्यार भरी बातें किससे और क्यों करना चाहती हैं ?

3 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' पद **अथवा** 'कठपुतली' कविता का केंद्रीय भाव लगभग **30-40** शब्दों में लिखिए । **2**

4 निम्नलिखित पंक्तियों में छंद और अलंकार का नाम लिखिए । **2**

कनक–कनक तैं सौगुनी, मादकता अधिकाय ।
वा खाएँ बौरात है, या पाएँ बौराय ॥

5 भक्तिकालीन साहित्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए । **2**

6 (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

विज्ञापनों के सहारे एक विशेष जीवन–पद्धति हमारी सोच और सपनों को नियंत्रित करने लगी है । कहने की जरूरत नहीं कि यह हसरत ही भ्रष्टाचार की पहली कोंपल है क्योंकि सही तरीकों से तो वह इनमें से एक ब्रीफ़केस तक नहीं खरीद सकता । अफ़ीम खिलाने के षड्यंत्र का यह सिर्फ एक पहलू है । दूसरी मार ज्यादा गहरी है – आदमी को अपने दिए सपनों और अंधविश्वासों में डाले रखना, सोच–विचार, संस्कृति–साहित्य, वैज्ञानिक और क्रांतिकारी विचारों से काटे रहना – क्योंकि वहाँ से उखाड़कर ही तो उसे आप अपने गड्डे में घेर कर पहुँचाएँगे । परदे के पीछे घिनौनी चालों या दीखती सच्चाई को गहराई से जाँचने की दिशा में लौटाने के सारे रास्ते पहले बंद करने होंगे । सोचने–समझने, अपनी स्थिति का विश्लेषण करने या शतरंज के ऊँचे खिलाड़ियों की चालबाज़ियों को पकड़ने की कामना करना खतरनाक है । हर हालत में जनता को इस खतरे से बचाकर रखना होगा – खतरा यानी स्वतंत्र–निर्भीक सोच ।

अथवा

क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है । एक का क्रोध दूसरे में भी क्रोध का संचार करता है । जिसके प्रति क्रोध प्रदर्शन होता है, वह तत्काल अपमान का अनुभव करता है और उसकी भी त्योरी चढ़ जाती है । यह विचार करने वाले बहुत थोड़े निकलते हैं कि हम पर जो क्रोध प्रकट किया जा रहा है, वह उचित है या अनुचित । इसी से धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों में क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है । संत लोग तो खलों के वचन सहते ही हैं, दुनियादार लोग भी न जाने कितनी ऊँची–नीची पचाते रहते हैं । सभ्यता के व्यवहार में भी क्रोध नहीं, तो क्रोध के चिह्न दबाए जाते हैं । इस प्रकार का प्रतिबंध समाज की सुख–शांति के लिए बहुत आवश्यक है । पर इस प्रतिबंध की भी सीमा है । यह परपीड़कोन्मुख क्रोध तक नहीं पहुँचता ।

(ख) पठित पाठ के आधार पर कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर **अथवा** मोहन राकेश की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए । 2

7 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **40-40** शब्दों में लिखिए : **2+2=4**

(क) भिखारिन के दो बच्चों के साथ अरुणा ने कैसा व्यवहार किया ?

(ख) कुटज की सबसे सराहनीय बात क्या है ?

(ग) अनुराधा ने शहर जाकर नौकरी करने के बारे में क्यों सोचा ?

8 स्नेहपूर्ण सामाजिक वातावरण, युवकों के मानसिक–भावनात्मक विकास और भौतिक उपलब्धियों के लिए पुरानी और नई पीढ़ी के बीच किस प्रकार का संबंध आवश्यक है ? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए । 2

9 किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दीजिए : **3+3=6**

(क) देवी सिंह की तीन चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के माध्यम से वर्मा जी क्या दिखाना चाहते हैं ?

(ग) 'उपन्यास की भाषा परिनिष्ठित हिन्दी है, जिसके साथ लोक भाषा के शब्दों का भी प्रयोग है ।' – उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

10 (क) लोचन सिंह ने मुसलमान सैनिक को दुर्गा मंदिर से चले जाने को क्यों कहा ? **1+1=2**

(ख) कुंजर सिंह को अलीमर्दान की सहायता अच्छी क्यों नहीं लगी ?

11 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5**

तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।
जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी ।
उसका पलना हुआ धार पर बहती हुई पिटारी ।
सूत–वंश में पला, चखा भी नहीं जननी का क्षीर,
निकला कर्ण सभी युवकों में तब भी अद्‌भुत वीर ।
तन से समरशूर और मन से भावुक, स्वभाव से दानी,
जाति–गोत्र का नहीं, शील का, पौरुष का अभिमानी ।
सान–ध्यान, शस्त्रास्त्र शास्त्र का कर सम्यक् अभ्यास,
अपने गुण का किया कर्ण ने आप स्वयं सुविकास ।

(क) तेजस्वी मनुष्य किस प्रकार सम्मान पाते हैं ?

(ख) इतिहासों में लीक खींचने का क्या अर्थ है ?

(ग) कर्ण की माता कौन थीं ?

(घ) कर्ण को अपने किन गुणों पर अभिमान था ?

(ङ) कर्ण ने अपने गुणों का विकास किस प्रकार किया ?

12 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×1=8**

सही समय पर सही चुनाव करने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है । चुनाव में असावधान व्यक्ति सभी सफलता के श्रृंगों पर नहीं चढ़ पाता । जो व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों में सजगता के साथ उपयुक्त चुनाव नहीं करता और महत्व की दृष्टि से उनमें ठीक–ठीक क्रम नहीं बिठा पाता, वह व्यक्ति न ठीक समय पर कोई कार्य पूरा कर पाता है और न ही कोई उद्देश्य निर्धारित कर पाता है । हमें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि हमें किस समय उठना है, किस समय सोना है और किस समय, क्या और कितना खाना है तथा किस समय अध्ययन करना है । खेल–कूद और व्यायाम के लिए भी समय का चुनाव करना है । चुनाव करते समय, हमें अपने मित्रों और सहयोगियों के प्रति भी बहुत सावधानी बरतनी होगी । यह चुनाव हमारे जीवन की अनेक सफलताओं और असफलताओं के लिए जिम्मेदार हो सकता है । ऐसे लोगों में न कोई सुरुचि ही विकसित हो पाती है और न वे अपने समय का मूल्य ही समझ पाते हैं, जो ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव करना नहीं जानते ।

(क) सफलता के लिए क्या आवश्यक है ?

(ख) दैनिक कार्यक्रमों में उपयुक्त चुनाव न करने से क्या हानि होती है ?

(ग) चुनाव करते समय किसके प्रति सावधान रहना चाहिए ?

(घ) उपयुक्त चुनाव करने या न करने का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ङ) ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव न करने से मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(च) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए ।

(छ) जिम्मेदार शब्द है – तत्सम/तद्भव/देशज/विदेशी

(ज) उपयुक्त चुनाव में 'उपयुक्त' क्या है ? (विशेषण/क्रिया विशेषण/संज्ञा)

13 कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । **8×1=8**

(क) चिन्ह, जरुरत (शुद्ध रूप लिखिए)

(ख) आपको अभी बहुत बातें सीखना है । कृपया मेरे घर आने की कृपा करें ।
(वाक्य को शुद्ध कीजिए)

(ग) कड़वाहट, परोपकार (प्रत्यय/उपसर्ग छाँटिए)

(घ) बच्ची स्कूल नहीं गई । निषेधवाचक/विधानवाचक (अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)

(ङ) अपना उल्लू सीधा करना (मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

(च) जल (दो पर्याय लिखिए)

(छ) जिसे जीता न जा सके (वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए)

(ज) अपना, प्रत्यक्ष (विलोम शब्द लिखिए)

14 निम्नलिखित अनुच्छेद का सार लगभग **50** शब्दों में लिखकर एक उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए : **4**

यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का युग है । स्वतंत्रता स्वच्छंदता में परिणत हो गई है । जीवन संयम–हीन हो गया है । कोई किसी के अनुशासन में नहीं रहना चाहता है । किसी विद्वान ने सच ही कहा है कि अधिक आयु के लोग अपने से छोटी आयु के लोगों को अनुभवहीन, तथा कम आयु वाले अपने से अधिक आयु वालों को मूर्ख समझते हैं । अनुशासनहीनता आज इतनी बढ़ रही है कि पुत्र माता–पिता के अनुशासन में नहीं रहना चाहते हैं । पति–पत्नी एक दूसरे का अनुशासन नहीं मानते । यहाँ तक कि मनोनुकूल बर्ताव न होने पर लोग अभिभावकों को कोसते हैं । सबसे बड़ी अभद्रता तो यह है कि जहाँ पुत्र बालिग होता है कि माता–पिता या गुरुजनों को बेवकूफ समझने लगता है तथा उनका अपमान करता है । आज सभी अपने स्वार्थ को ही प्रथम महत्व देते हैं । आज सैंकड़ों परिवारों का यही हाल है ।

15 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **250-300** शब्दों में निबंध लिखिए : **8**

(क) मेरा देश महान

(ख) मेरा प्रिय खेल

(ग) सत्संगति का महत्व

(घ) कोई अविस्मरणीय घटना

16 (क) भाव पल्लवन कीजिए । **3+2=5**

मन से हारे तो सब हारे

अथवा

करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(ख) अपने बचपन के साथियों के साथ मनाई गई पिकनिक के अनुभव को लगभग **40** शब्दों में लिखिए ।

17 बंदरों के कारण होने वाली परेशानी के बारे में किसी हिंदी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **4**

18 (क) प्रारूपण किसे कहते हैं ? इसकी कोई दो विशेषताएँ लिखिए । **3+4=7**

(ख) एक कक्षा में 54 छात्र हैं । हिंदी और अंग्रेजी में अर्ध–वार्षिक और वार्षिक परीक्षा में उन्होंने जो अंक प्राप्त किए, उन्हें सामूहिक बार चित्र से दर्शाइए ।

प्राप्तांक	हिंदी अर्ध–वार्षिक	हिंदी वार्षिक	अंग्रेजी अर्ध–वार्षिक	अंग्रेजी वार्षिक
81-100	15 छात्र	17 छात्र	3 छात्र	7 छात्र
61-80	18 छात्र	21 छात्र	25 छात्र	26 छात्र
41-60	19 छात्र	14 छात्र	22 छात्र	18 छात्र
0-40	2 छात्र	2 छात्र	4 छात्र	3 छात्र

खण्ड – ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

19 (क) अर्थ लिखिए – प्रसार, काला टाइप 1+2+2=5

(ख) इंटरनेट की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

(ग) फ़ीचर किसे कहते हैं और इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है ?

20 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : 2+2=4

(क) समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोत बताइए ।

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के कोई दो लाभ बताइए ।

(ग) अनुवाद में संदर्भ का क्या महत्व है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

21 (क) आप जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं । समाचार पत्र के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 3+3=6

(ख) अपने क्षेत्र में जरूरी दवाइयाँ उपलब्ध न होने के बारे में समाचार तैयार कीजिए ।

खण्ड – ग

(विज्ञान की भाषा - हिन्दी)

19 (क) अर्थ लिखिए – परिधि, एनिमेशन 1+2+2=5

(ख) लोक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है ?

(ग) प्राचीन भारत में ज्यामिति की दो मुख्य उपलब्धियाँ बताइए ।

20 अंधविश्वास जनसंख्या वृद्धि का कारण कैसे बनते हैं ? 4

अथवा

जनसंख्या वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों को बहुत नुकसान हुआ है । इस संकट से बचने के लिए संरक्षण के क्या उपाय हो सकते हैं ?

21 (क) कंप्यूटर से सूचना और संचार क्षेत्र में क्रांति कैसे आई ? 3+3=6

(ख) पारिभाषिक शब्दावली को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

इस प्रश्न–पत्र में **24** प्रश्न [खण्ड 'क' (**18**) + खण्ड 'ख' (3) + खण्ड 'ग' (3)] तथा **8 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No.
कोड नं. **63/OSS/1**

SET/सेट **B**

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

4 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **63/OSS/1,** सेट–**B** लिखें ।

हिन्दी
(301)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' **15** अंकों का है।

खण्ड – क

1 (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **4**

विज्ञापनों के सहारे एक विशेष जीवन–पद्धति हमारी सोच और सपनों को नियंत्रित करने लगी है । कहने की जरूरत नहीं कि यह हसरत ही भ्रष्टाचार की पहली कोंपल है क्योंकि सही तरीकों से तो वह इनमें से एक ब्रीफ़केस तक नहीं खरीद सकता । अफ़ीम खिलाने के षड्यंत्र का यह सिर्फ एक पहलू है । दूसरी मार ज्यादा गहरी है – आदमी को अपने दिए सपनों और अंधविश्वासों में डाले रखना, सोच–विचार, संस्कृति–साहित्य, वैज्ञानिक और क्रांतिकारी विचारों से काटे रहना – क्योंकि वहाँ से उखाड़कर ही तो उसे आप अपने गड्डे में घेर कर पहुँचाएँगे । परदे के पीछे घिनौनी चालों या दीखती सच्चाई को गहराई से जाँचने की दिशा में लौटाने के सारे रास्ते पहले बंद करने होंगे । सोचने–समझने, अपनी स्थिति का विश्लेषण करने या शतरंज के ऊँचे खिलाड़ियों की चालबाज़ियों को पकड़ने की कामना करना खतरनाक है । हर हालत में जनता को इस खतरे से बचाकर रखना होगा – खतरा यानी स्वतंत्र–निर्भीक सोच ।

अथवा

क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है । एक का क्रोध दूसरे में भी क्रोध का संचार करता है । जिसके प्रति क्रोध प्रदर्शन होता है, वह तत्काल अपमान का अनुभव करता है और उसकी भी त्योरी चढ़ जाती है । यह विचार करने वाले बहुत थोड़े निकलते हैं कि हम पर जो क्रोध प्रकट किया जा रहा है, वह उचित है या अनुचित । इसी से धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों में क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है । संत लोग तो खलों के वचन सहते ही हैं, दुनियादार लोग भी न जाने कितनी ऊँची–नीची पचाते रहते हैं । सभ्यता के व्यवहार में भी क्रोध नहीं, तो क्रोध के चिह्न दबाए जाते हैं । इस प्रकार का प्रतिबंध समाज की सुख–शांति के लिए बहुत आवश्यक है । पर इस प्रतिबंध की भी सीमा है । यह परपीड़कोन्मुख क्रोध तक नहीं पहुँचता ।

(ख) पठित पाठ के आधार पर कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर **अथवा** मोहन राकेश की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए । 2

2 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **40-40** शब्दों में लिखिए : 2+2=4

(क) भिखारिन के दो बच्चों के साथ अरुणा ने कैसा व्यवहार किया ?

(ख) कुटज की सबसे सराहनीय बात क्या है ?

(ग) अनुराधा ने शहर जाकर नौकरी करने के बारे में क्यों सोचा ?

3 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर दो पीढ़ियों के संघर्ष के बारे में बताइए । 2

4 किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दीजिए : 3+3=6

(क) देवी सिंह की तीन चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के माध्यम से वर्मा जी क्या दिखाना चाहते हैं ?

(ग) 'उपन्यास की भाषा परिनिष्ठित हिन्दी है, जिसके साथ लोक भाषा के शब्दों का भी प्रयोग है ।' – उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

5 (क) राजा ने पालर झील में स्नान करने का विचार क्यों रखा ? 1+1=2

(ख) सबदल सिंह ने कुंजर सिंह को शरण क्यों दी ?

6 (क) निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

बैठ लें कुछ देर,
आओ, एक पथ के पथिक से
प्रिय, अंत और अनंत के,
तम–गहन–जीवन घेर ।
मौन मधु हो जाय
भाषा मूकता की आड़ में,
मन सरलता की बाढ़ में
जल–बिंदु–सा बह जाय ।
सरल, अति स्वच्छन्द
जीवन, प्रात के लघु–पात से
उत्थान–पतनाघात से
रह जाए चुप, निर्द्वन्द्व ।

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई । गुरु साहिब अनुकूल अघाई ॥
लखि अपनें सर सबु छरु भारू । कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारू ॥
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज–नयन नेह–जल बाढ़े ॥
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ॥
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ । अपराधिहु पर कोह न काऊ ॥
मो पर कृपा सनेहु बिसेषी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखि ॥
सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ॥
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही । हारेहुँ खेल जितावहिं मोही ॥
महूँ सनेह सकोच बस, सनमुख कही न बैन ।
दरसन तृपित न आजु लगि, पेम पिआसे नैन ॥

(ख) काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 2

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेहंदी को रंग ॥

7 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **30-35** शब्दों में दीजिए । **2+2=4**

(क) मीराँ की रातों की नींद क्यों उड़ गई ?

(ख) 'फाग' पद में गोपिका किसे और क्यों धो–धोकर हार गई ?

(ग) 'मुझे कदम–कदम पर' कविता में अनेक राहें देखकर कवि क्या करना चाहता है ?

8 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' पद **अथवा** 'कठपुतली' कविता का केंद्रीय भाव लगभग **30-40** शब्दों में लिखिए । 2

9 निम्नलिखित पंक्तियों में छंद और अलंकार का नाम लिखिए । 2

कनक–कनक तैं सौगुनी, मादकता अधिकाय ।
वा खाएँ बौरात है, या पाएँ बौराय ॥

10 भक्तिकालीन साहित्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए । 2

11 निम्नलिखित अनुच्छेद का सार लगभग **50** शब्दों में लिखकर एक उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए : 4

यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का युग है । स्वतंत्रता स्वच्छंदता में परिणत हो गई है । जीवन संयम–हीन हो गया है । कोई किसी के अनुशासन में नहीं रहना चाहता है । किसी विद्वान ने सच ही कहा है कि अधिक आयु के लोग अपने से छोटी आयु के लोगों को अनुभवहीन, तथा कम आयु वाले अपने से अधिक आयु वालों को मूर्ख समझते हैं । अनुशासनहीनता आज इतनी बढ़ रही है कि पुत्र माता–पिता के अनुशासन में नहीं रहना चाहते हैं । पति–पत्नी एक दूसरे का अनुशासन नहीं मानते । यहाँ तक कि मनोनुकूल बर्ताव न होने पर लोग अभिभावकों को कोसते हैं । सबसे बड़ी अभद्रता तो यह है कि जहाँ पुत्र बालिग होता है कि माता–पिता या गुरुजनों को बेवकूफ समझने लगता है तथा उनका अपमान करता है । आज सभी अपने स्वार्थ को ही प्रथम महत्व देते हैं । आज सैंकड़ों परिवारों का यही हाल है ।

12 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **250-300** शब्दों में निबंध लिखिए । 8

(क) मेरा प्रिय पर्व

(ख) इक्कीसवीं सदी का भारत

(ग) भाग्य और पुरुषार्थ

(घ) जब मैंने पहली बार प्रतियोगिता जीती

13 (क) भाव पल्लवन कीजिए । 3+2=5

मन से हारे तो सब हारे

अथवा

करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(ख) अपने बचपन के साथियों के साथ मनाई गई पिकनिक के अनुभव को लगभग **40** शब्दों में लिखिए ।

14 अपने क्षेत्र में हुए वृक्षारोपण समारोह का वर्णन करते हुए किसी हिंदी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । 4

15 (क) प्रारूपण किसे कहते हैं ? इसकी कोई दो विशेषताएँ लिखिए । 3+4=7

(ख) एक कक्षा में 54 छात्र हैं । हिंदी और अंग्रेजी में अर्ध–वार्षिक और वार्षिक परीक्षा में उन्होंने जो अंक प्राप्त किए, उन्हें सामूहिक बार चित्र से दर्शाइए ।

प्राप्तांक	हिंदी अर्ध–वार्षिक	हिंदी वार्षिक	अंग्रेजी अर्ध–वार्षिक	अंग्रेजी वार्षिक
81-100	15 छात्र	17 छात्र	3 छात्र	7 छात्र
61-80	18 छात्र	21 छात्र	25 छात्र	26 छात्र
41-60	19 छात्र	14 छात्र	22 छात्र	18 छात्र
0-40	2 छात्र	2 छात्र	4 छात्र	3 छात्र

16 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5

तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।
जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी ।
उसका पलना हुआ धार पर बहती हुई पिटारी ।
सूत–वंश में पला, चखा भी नहीं जननी का क्षीर,
निकला कर्ण सभी युवकों में तब भी अद्‌भुत वीर ।
तन से समरशूर और मन से भावुक, स्वभाव से दानी,
जाति–गोत्र का नहीं, शील का, पौरुष का अभिमानी ।
सान–ध्यान, शस्त्रास्त्र शास्त्र का कर सम्यक् अभ्यास,
अपने गुण का किया कर्ण ने आप स्वयं सुविकास ।

(क) तेजस्वी मनुष्य किस प्रकार सम्मान पाते हैं ?

(ख) इतिहासों में लीक खींचने का क्या अर्थ है ?

(ग) कर्ण की माता कौन थीं ?

(घ) कर्ण को अपने किन गुणों पर अभिमान था ?

(ङ) कर्ण ने अपने गुणों का विकास किस प्रकार किया ?

17 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×1=8**

सही समय पर सही चुनाव करने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है । चुनाव में असावधान व्यक्ति सभी सफलता के शृंगों पर नहीं चढ़ पाता । जो व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों में सजगता के साथ उपयुक्त चुनाव नहीं करता और महत्व की दृष्टि से उनमें ठीक–ठीक क्रम नहीं बिठा पाता, वह व्यक्ति न ठीक समय पर कोई कार्य पूरा कर पाता है और न ही कोई उद्देश्य निर्धारित कर पाता है । हमें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि हमें किस समय उठना है, किस समय सोना है और किस समय, क्या और कितना खाना है तथा किस समय अध्ययन करना है । खेल–कूद और व्यायाम के लिए भी समय का चुनाव करना है । चुनाव करते समय, हमें अपने मित्रों और सहयोगियों के प्रति भी बहुत सावधानी बरतनी होगी । यह चुनाव हमारे जीवन की अनेक सफलताओं और असफलताओं के लिए जिम्मेदार हो सकता है । ऐसे लोगों में न कोई सुरुचि ही विकसित हो पाती है और न वे अपने समय का मूल्य ही समझ पाते हैं, जो ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव करना नहीं जानते ।

(क) सफलता के लिए क्या आवश्यक है ?

(ख) दैनिक कार्यक्रमों में उपयुक्त चुनाव न करने से क्या हानि होती है ?

(ग) चुनाव करते समय किसके प्रति सावधान रहना चाहिए ?

(घ) उपयुक्त चुनाव करने या न करने का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ङ) ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव न करने से मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(च) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए ।

(छ) जिम्मेदार शब्द है – तत्सम/तद्‌भव/देशज/विदेशी

(ज) उपयुक्त चुनाव में 'उपयुक्त' क्या है ? (विशेषण/क्रिया विशेषण/संज्ञा)

18 कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । **8×1=8**

(क) शुरु, सीड़ियाँ (शुद्ध रूप लिखिए)

(ख) मेरे माता जी आ गए । मेरा बैग तुमसे अच्छा है । (वाक्य को शुद्ध कीजिए)

(ग) सुनार, पराक्रम (प्रत्यय/उपसर्ग छाँटिए)

(घ) भगवान करे, तुम जल्दी स्वस्थ हो जाओ । इच्छावाचक/संकेतवाचक
(अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए)

(ङ) अपना उल्लू सीधा करना (मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

(च) जल (दो पर्याय लिखिए)

(छ) जिसे जीता न जा सके (वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए)

(ज) अपना, प्रत्यक्ष (विलोम शब्द लिखिए)

खण्ड – ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

19 (क) आप जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं । समाचार पत्र के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **3+3=6**

(ख) अपने क्षेत्र में जरूरी दवाइयाँ उपलब्ध न होने के बारे में समाचार तैयार कीजिए ।

20 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **2+2=4**

(क) समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोत बताइए ।

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के कोई दो लाभ बताइए ।

(ग) अनुवाद में संदर्भ का क्या महत्व है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

21 (क) अर्थ लिखिए – पत्रकार, न्यूज़ प्रिंट **1+2+2=5**

(ख) इंटरनेट की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

(ग) फ़ीचर किसे कहते हैं और इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है ?

खण्ड – 'ग'

(विज्ञान की भाषा – हिन्दी)

19 (क) कंप्यूटर से सूचना और संचार क्षेत्र में क्रांति कैसे आई ? **3+3=6**

(ख) पारिभाषिक शब्दावली को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

20 अंधविश्वास जनसंख्या वृद्धि का कारण कैसे बनते हैं ? **4**

अथवा

जनसंख्या वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों को बहुत नुकसान हुआ है । इस संकट से बचने के लिए संरक्षण के क्या उपाय हो सकते हैं ?

21 (क) अर्थ लिखिए – आलंब, आस्की **1+2+2=5**

(ख) लोक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है ?

(ग) प्राचीन भारत में ज्यामिति की दो मुख्य उपलब्धियाँ बताइए ।

इस प्रश्न–पत्र में **24** प्रश्न [खण्ड 'क' (18) + खण्ड 'ख' (3) + खण्ड 'ग' (3)] तथा **8** मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं. **63/OSS/1**

SET/सेट **C**

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination :
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

4 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **63/OSS/1, सेट–C** लिखें ।

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' **85** अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' **15** अंकों का है।

खण्ड – क

1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5**

तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।
जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी ।
उसका पलना हुआ धार पर बहती हुई पिटारी ।
सूत–वंश में पला, चखा भी नहीं जननी का क्षीर,
निकला कर्ण सभी युवकों में तब भी अद्‌भुत वीर ।
तन से समरशूर और मन से भावुक, स्वभाव से दानी,
जाति–गोत्र का नहीं, शील का, पौरुष का अभिमानी ।
सान–ध्यान, शस्त्रास्त्र शास्त्र का कर सम्यक् अभ्यास,
अपने गुण का किया कर्ण ने आप स्वयं सुविकास ।

(क) तेजस्वी मनुष्य किस प्रकार सम्मान पाते हैं ?

(ख) इतिहासों में लीक खींचने का क्या अर्थ है ?

(ग) कर्ण की माता कौन थीं ?

(घ) कर्ण को अपने किन गुणों पर अभिमान था ?

(ङ) कर्ण ने अपने गुणों का विकास किस प्रकार किया ?

2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×1=8

सही समय पर सही चुनाव करने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है । चुनाव में असावधान व्यक्ति सभी सफलता के श्रृंगों पर नहीं चढ़ पाता । जो व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों में सजगता के साथ उपयुक्त चुनाव नहीं करता और महत्व की दृष्टि से उनमें ठीक–ठीक क्रम नहीं बिठा पाता, वह व्यक्ति न ठीक समय पर कोई कार्य पूरा कर पाता है और न ही कोई उद्देश्य निर्धारित कर पाता है । हमें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि हमें किस समय उठना है, किस समय सोना है और किस समय, क्या और कितना खाना है तथा किस समय अध्ययन करना है । खेल–कूद और व्यायाम के लिए भी समय का चुनाव करना है । चुनाव करते समय, हमें अपने मित्रों और सहयोगियों के प्रति भी बहुत सावधानी बरतनी होगी । यह चुनाव हमारे जीवन की अनेक सफलताओं और असफलताओं के लिए जिम्मेदार हो सकता है । ऐसे लोगों में न कोई सुरुचि ही विकसित हो पाती है और न वे अपने समय का मूल्य ही समझ पाते हैं, जो ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव करना नहीं जानते ।

(क) सफलता के लिए क्या आवश्यक है ?

(ख) दैनिक कार्यक्रमों में उपयुक्त चुनाव न करने से क्या हानि होती है ?

(ग) चुनाव करते समय किसके प्रति सावधान रहना चाहिए ?

(घ) उपयुक्त चुनाव करने या न करने का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ङ) ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव न करने से मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(च) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए ।

(छ) जिम्मेदार शब्द है – तत्सम/तद्भव/देशज/विदेशी

(ज) उपयुक्त चुनाव में 'उपयुक्त' क्या है ? (विशेषण/क्रिया विशेषण/संज्ञा)

3 कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । 8×1=8

(क) चिन्ह, जरुरत (शुद्ध रूप लिखिए)

(ख) आपको अभी बहुत बातें सीखना है । कृपया मेरे घर आने की कृपा करें ।
(वाक्य को शुद्ध कीजिए)

(ग) कड़वाहट, परोपकार (प्रत्यय/उपसर्ग छाँटिए)

(घ) बच्ची स्कूल नहीं गई । निषेधवाचक/विधानवाचक (अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)

(ङ) अपना उल्लू सीधा करना (मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

(च) जल (दो पर्याय लिखिए)

(छ) जिसे जाना न जा सके (वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए)

(ज) उपकार, कठोर (विलोम शब्द बताइए)

4 निम्नलिखित अनुच्छेद का सार लगभग **50** शब्दों में लिखकर एक उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए : **4**

यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का युग है । स्वतंत्रता स्वच्छंदता में परिणत हो गई है । जीवन संयम–हीन हो गया है । कोई किसी के अनुशासन में नहीं रहना चाहता है । किसी विद्वान ने सच ही कहा है कि अधिक आयु के लोग अपने से छोटी आयु के लोगों को अनुभवहीन, तथा कम आयु वाले अपने से अधिक आयु वालों को मूर्ख समझते हैं । अनुशासनहीनता आज इतनी बढ़ रही है कि पुत्र माता–पिता के अनुशासन में नहीं रहना चाहते हैं । पति–पत्नी एक दूसरे का अनुशासन नहीं मानते । यहाँ तक कि मनोनुकूल बर्ताव न होने पर लोग अभिभावकों को कोसते हैं । सबसे बड़ी अभद्रता तो यह है कि जहाँ पुत्र बालिग होता है कि माता–पिता या गुरुजनों को बेवकूफ समझने लगता है तथा उनका अपमान करता है । आज सभी अपने स्वार्थ को ही प्रथम महत्व देते हैं । आज सैंकड़ों परिवारों का यही हाल है ।

5 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **250-300** शब्दों में निबंध लिखिए । **8**

(क) महानगरीय जीवन

(ख) जीवन में खेल–कूद का महत्व

(ग) पहाड़ों पर बर्फ का पहला अनुभव

(घ) सिकुड़ते वन

6 (क) भाव पल्लवन कीजिए । **3+2=5**

मन से हारे तो सब हारे

अथवा

करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(ख) अपने बचपन के साथियों के साथ मनाई गई पिकनिक के अनुभव को लगभग **40** शब्दों में लिखिए ।

7 बंदरों के कारण होने वाली परेशानी के बारे में किसी हिंदी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **4**

8 (क) प्रारूपण किसे कहते हैं ? इसकी कोई दो विशेषताएँ लिखिए । 3+4=7

(ख) एक कक्षा में 54 छात्र हैं । हिंदी और अंग्रेजी में अर्ध–वार्षिक और वार्षिक परीक्षा में उन्होंने जो अंक प्राप्त किए, उन्हें सामूहिक बार चित्र से दर्शाइए ।

प्राप्तांक	हिंदी अर्ध–वार्षिक	हिंदी वार्षिक	अंग्रेजी अर्ध–वार्षिक	अंग्रेजी वार्षिक
81-100	15 छात्र	17 छात्र	3 छात्र	7 छात्र
61-80	18 छात्र	21 छात्र	25 छात्र	26 छात्र
41-60	19 छात्र	14 छात्र	22 छात्र	18 छात्र
0-40	2 छात्र	2 छात्र	4 छात्र	3 छात्र

9 (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

विज्ञापनों के सहारे एक विशेष जीवन–पद्धति हमारी सोच और सपनों को नियंत्रित करने लगी है । कहने की जरूरत नहीं कि यह हसरत ही भ्रष्टाचार की पहली कोंपल है क्योंकि सही तरीकों से तो वह इनमें से एक ब्रीफ़केस तक नहीं खरीद सकता । अफ़ीम खिलाने के षड्यंत्र का यह सिर्फ एक पहलू है । दूसरी मार ज्यादा गहरी है – आदमी को अपने दिए सपनों और अंधविश्वासों में डाले रखना, सोच–विचार, संस्कृति–साहित्य, वैज्ञानिक और क्रांतिकारी विचारों से काटे रहना – क्योंकि वहाँ से उखाड़कर ही तो उसे आप अपने गड्डे में घेर कर पहुँचाएँगे । परदे के पीछे घिनौनी चालों या दीखती सच्चाई को गहराई से जाँचने की दिशा में लौटाने के सारे रास्ते पहले बंद करने होंगे । सोचने–समझने, अपनी स्थिति का विश्लेषण करने या शतरंज के ऊँचे खिलाड़ियों की चालबाज़ियों को पकड़ने की कामना करना खतरनाक है । हर हालत में जनता को इस खतरे से बचाकर रखना होगा – खतरा यानी स्वतंत्र–निर्भीक सोच ।

(ख) पठित पाठ के आधार पर राजेंद्र यादव **अथवा** कैलाश चंद्र भाटिया की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए । 2

10 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **40-40** शब्दों में लिखिए : 2+2=4

(क) भिखारिन के दो बच्चों के साथ अरुणा ने कैसा व्यवहार किया ?

(ख) कुटज की सबसे सराहनीय बात क्या है ?

(ग) अनुराधा ने शहर जाकर नौकरी करने के बारे में क्यों सोचा ?

11 'आखिरी चट्टान' पाठ एक अच्छा यात्रा वृत्तांत है । अपने विचार लिखिए । 2

12 किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) 'विराटा की पद्मिनी में इतिहास, कल्पना और लोकतत्व का अद्भुत समन्वय है ।' – कैसे ?

(ख) अलीमर्दान की तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए ।

(ग) उपन्यास के संवाद बड़े रोचक और पात्रानुकूल हैं । – स्पष्ट कीजिए ।

13 (क) लोचन सिंह ने मुसलमान सैनिक को दुर्गा मंदिर से चले जाने को क्यों कहा ? 1+1=2

(ख) कुंजर सिंह को अलीमर्दान की सहायता अच्छी क्यों नहीं लगी ?

14 (क) निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

बैठ लें कुछ देर,
आओ, एक पथ के पथिक से
प्रिय, अंत और अनंत के,
तम–गहन–जीवन घेर ।
मौन मधु हो जाय
भाषा मूकता की आड़ में,
मन सरलता की बाढ़ में
जल–बिंदु–सा बह जाय ।
सरल, अति स्वच्छन्द
जीवन, प्रात के लघु–पात से
उत्थान–पतनाघात से
रह जाए चुप, निर्द्वन्द्व ।

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई । गुरु साहिब अनुकूल अघाई ॥
लखि अपनें सर सबु छरु भारू । कहि न सकहिं कछु करहिं बिचारू ॥
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज–नयन नेह–जल बाढ़े ॥
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ॥
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ । अपराधिहु पर कोह न काऊ ॥
मो पर कृपा सनेहु बिसेषी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखि ॥
सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ॥
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही । हारेहुँ खेल जितावहिं मोही ॥
महूँ सनेह सकोच बस, सनमुख कही न बैन ।
दरसन तृपित न आजु लगि, पेम पिआसे नैन ॥

(ख) काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **2**

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेहंदी को रंग ॥

15 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **30-35** शब्दों में दीजिए : **2+2=4**

(क) कृष्ण के प्रति मीराँ का प्रेम किस प्रकार का है ?

(ख) 'फाग' पद में गोपिका की आँख से क्या निकल गया और क्या रह गया ?

(ग) 'मुझे कदम–कदम पर' में कविताएँ मुस्कराकर प्यार भरी बातें किससे और क्यों करना चाहती हैं ?

16 'मौन' **अथवा** 'वसंत' कविता का केंद्रीय भाव लगभग **30-40** शब्दों में लिखिए । **2**

17 निम्नलिखित पंक्तियों में छंद और अलंकार का नाम लिखिए । **2**

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेहंदी को रंग ॥

18 भक्तिकालीन साहित्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए । **2**

खण्ड – ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

19 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : 2+2=4

(क) समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोत बताइए ।

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के कोई दो लाभ बताइए ।

(ग) अनुवाद में संदर्भ का क्या महत्व है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

20 (क) अर्थ लिखिए – स्पॉट न्यूज़, उद्घोषक 1+2+2=5

(ख) इंटरनेट की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

(ग) फ़ीचर किसे कहते हैं और इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है ?

21 (क) आप जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं । समाचार पत्र के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 3+3=6

(ख) अपने क्षेत्र में जरूरी दवाइयाँ उपलब्ध न होने के बारे में समाचार तैयार कीजिए ।

खण्ड – 'ग'

(विज्ञान की भाषा – हिन्दी)

19 अंधविश्वास जनसंख्या वृद्धि का कारण कैसे बनते हैं ? 4

अथवा

जनसंख्या वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों को बहुत नुकसान हुआ है । इस संकट से बचने के लिए संरक्षण के क्या उपाय हो सकते हैं ?

20 (क) अर्थ लिखिए – पादप जात, घरेलू कंप्यूटर 1+2+2=5

(ख) लोक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टि का क्या महत्व है ?

(ग) प्राचीन भारत में ज्यामिति की दो मुख्य उपलब्धियाँ बताइए ।

21 (क) कंप्यूटर से सूचना और संचार क्षेत्र में क्रांति कैसे आई ? 3+3=6

(ख) पारिभाषिक शब्दावली को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।